

मन चल रे गुरु के धाम

मन चल रे गुरु के धाम हरी हरी गायेगे ॥
गाएँगे गवाएँगे नाचेंगे नचाएँगे झूमेंगे झुमाएँगे
मन चल रे गुरु के.....

भव बन्धन से मोह हटाले गुरु चरणों से दयान लगा ले ॥
तेरे बन जायेगे बिगड़े काम हरी हरी गायेगे ॥
मन चल रे गुरु के.....

गुरु जी तेरे रब से मिलाए ब्रह्म ज्ञान करते करवाये ॥
ना रिस्वत लगेगी ना धाम हरी हरी गायेगे ॥
मन चल रे गुरु के.....

गुरु से ज्ञान आज्ञान से मुक्ति बतलाते सदगुरु जी बुद्धि ॥
लगे आवागवन से विराम हरी हरी गायेगे ॥
मन चल रे गुरु के.....

अन्धकार गुरु प्रकाश है. मन बुद्धि में परिभासा है ॥
है सर्वपरी ये नाम हरी हरी गायेगे,
मन चल रे गुरु के धाम हरी हरी गायेगे,

Source:

<https://www.bharattemples.com/man-chal-re-guru-ke-dham-hari-hari-gayege/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>